मंडावा से कांग्रेस प्रत्याशी रीटा चौधरी मझधार में फंसी, मूल वोटबैंक छिटका

बसपा ने अल्पसंख्यक समुदाय से प्रत्याशी उतारकर चुनाव को त्रिकोणीय बनाया

झुंझुनूं, (निसं)। शेखावाटी को कांग्रेस का गढ़ माना जाता है जिसके पीछे कद्दावर दिग्गज नेता स्वर्गीय शीशराम ओला का कांग्रेस हाईकमान तक सीधी पहुंच व जाटों का क्षत्रप नेता होना रहा। शेखावाटी के झुंझुनूं जिले की मंडावा विधानसभा क्षेत्र जो कभी बीजेपी को रास नहीं आया।

मंडावा विधानसभा क्षेत्र अल्पसंख्यक समुदाय का बड़ा वोट बैंक है। जिसे कांग्रेस का समर्थक माना जाता है। यही वजह है कि यहां भाजपा अपना खाता खोलने के लिए तरसती रही। वहां पर भाजपा टिकट पर 2018 में नरेंद्र कुमार ने आजादी के बाद पहली बार भाजपा का परचम लहराया और दिग्गज कांग्रेस नेता पूर्व प्रदेशाध्यक्ष स्व. राम नारायण चौधरी की पुत्री रीटा चौधरी को शिकस्त दी। मण्डावा में भाजपा की यह पहली जीत होने के कारण पूरे देश भर में चर्चा का विषय रही। वर्ष 2019 में हुए लोकसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने मंडावा विधायक नरेंद्र कुमार पर विश्वास जताते हुए उन्हें लोकसभा की टिकट सौंपी और तीन लाख से अधिक मतों के अंतराल से कांग्रेस प्रत्याशी को पराजित कर विजयी हुए।

कांग्रेस प्रत्याशी रीटा चौधरी।

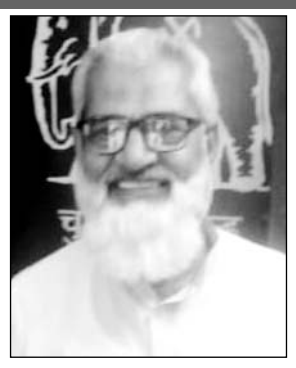

बसपा प्रत्याशी सादिक खान।

- मंडावा क्षेत्र के जानकारों के अनुसार इस बार कांग्रेस प्रत्याशी रीटा चौधरी के प्रति क्षेत्र के लोगों में नाराजगी बनी हुई है

नरेंद्र कुमार के सांसद बन जाने से रिक्त हुई विधानसभा सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस ने पुन: रीटा चौधरी को टिकट देकर प्रत्याशी बनाया। वहीं भाजपा ने सुशीला सीगड़ा को टिकट देकर रीटा चौधरी के मुकाबले को महिला वर्सेस महिला का माहौल तैयार किया।

उपचुनाव में भाजपा की ओर से कई प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ने की मंशा जाहिर की थी। जो काफी समय से मंडावा विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी की रीति-नीतियों को लेकर प्रचार प्रसार में लगे हुए थे, लेकिन भाजपा ने ऐन वक्त पर पुराने भाजपाईयों को दरकिनार करते हुए चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुई सुशीला सीगड़ा पर विश्वास जताया। जिस कारण भाजपा में बिखराव हुआ और मूल भाजपाई बेमन और बुझे दिल से पार्टी के साथ तो रहे लेकिन कहीं समर्पण दिखाई नहीं दिया। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी रीटा चौधरी के साथ गहलोत सरकार का भरपूर सहयोग रहा। वैसे तो उपचुनाव के परिणाम सरकार के पक्ष में ही रहते हैं। जिसका असर मंडावा उपचुनाव में भी जाहिर तौर पर सामने आया वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में 80599 मत भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र कुमार को मिले थे , वहीं 6 माह बाद हुए उप चुनाव में भाजपा के वोटो की संख्या 60492 पर आकर रुक गई जो सीधा-सीधा भाजपा के कार्यकर्ताओं के बिखराव असर दिखता है।

रीटा के लिए अबकी बार जीत का गणित बैठाना मुश्किल :- प्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले संभावित चुनाव के दृष्टिगत मंडावा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा एकजुट रहती है तो पार्टी को अच्छे दिन देखने को मिल सकते हैं। मंडावा विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान विधायक रीटा चौधरी का घटता जनाधार तथा खिसकता कांग्रेस का वोट बैंक भी वर्तमान विधायक रीटा चौधरी के लिए खतरे की घंटी है। मंडावा क्षेत्र के जानकारों के अनुसार इस बार कांग्रेस प्रत्याशी रीटा चौधरी के प्रति मंडावा क्षेत्र के लोगों में भारी नाराजगी बनी हुई है। वहीं अल्पसंख्यक समुदाय से बसपा के सादिक खान के अलावा इस बार दो से तीन प्रत्याशियों के चुनाव लड़ने की संभावना जताई जा रही है। जिससे अल्पसंख्यक समुदाय के मतों का नुकसान सीधा-सीधा कांग्रेस पार्टी को होगा। वहीं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, आम आदमी पार्टी समेत ओवैसी की पार्टी एआइएमआइएम भी मंडावा से प्रत्याशी उतारने की घोषणा कर चुकी है। ऐसे में रीटा चौधरी के लिए इस बार चुनावी गणित अपने व कांग्रेस के पक्ष में बैठाना मुश्किल हो सकता है।

मंडावा विधानसभा क्षेत्र में बसपा का खुद का वोट बैंक तो है ही साथ में मुस्लिम मतदाता अच्छी संख्या में होने पर कांग्रेस पार्टी का कांग्रेस पार्टी के पूर्व पार्षद रहे सादिक खान खेल बिगाड़ सकते हैं। सादिक खान मुसलमानों में जाना पहचाना चेहरा है और अगर बसपा का मूल वोट बैंक तथा मुस्लिम समुदाय सादिक खान के साथ आ जाता है तो रीटा चौधरी को जरूर मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

अनादि सरस्वती के जरिए कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों की नाराजगी मोल ली

कांग्रेस में शामिल हुई अनादि सरस्वती का कार्यकर्ताओं ने पुतला जलाया।

जयपुर/अजमेर। साध्वी अनादि सरस्वती के गुरुवार को जयपुर में कांग्रेस का हाथ थाम लिया। एक दिन पहले ही भाजपा की सदस्यता छोड़ने के बाद अनादि ने कांग्रेस का हाथ पकड़ा है और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रभारी सुखजिंद्र सिंह रंधावा और कार्य समिति सदस्य मोहन प्रकाश ने उन्हें कांग्रेस में शामिल करवाया है। पार्टी अजमेर उत्तर से साध्वी को उम्मीदवार भी बन सकती है, लेकिन इस खबर के साथ ही अजमेर में पार्टी के अंदर बवाल हो गया है। जिला अध्यक्ष विजय जैन ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि पार्टी ने उन्हें टिकट दिया तो हम साथ नहीं देंगे और इस बार पार्टी का कार्यकर्ता इस्तीफा नहीं देगा बल्कि अनादि से ही इस्तीफा लगा।

- जयपुर में मुख्यमंत्री ने पार्टी में शामिल कराया, अजमेर की कांग्रेस बोली टिकट दिया तो नहीं करेंगे सहयोग
- अनादि सरस्वती के कांग्रेस ज्वाइन करने के साथ ही अजमेर उत्तर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में विरोध के स्वर मुखर हो गए

अनादि सरस्वती के कांग्रेस ज्वाइन करने के साथ ही अजमेर उत्तर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में विरोध के स्वर मुखर हो गए। बाकायदा जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय के बाहर कांग्रेस के पदाधिकारी ने बैठक करके साध्वी अनादि को पार्टी में शामिल करने पर नाराजगी जताई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी आलाकमान को अनादि के टिकट देने पर पर खुलेआम विरोध करने और इस्तीफा देने की भी चेतावनी दी है।

शहर कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष विजय जैन ने कहा कि साध्वी अनादि सरस्वती जाति विशेष को लेकर कई बार टिप्पणियां कर चुकी हैं। यह कांग्रेस की मूल विचारधारा के खिलाफ है। उनका आरोप है कि साध्वी अनादि अपने आप को सोशल मीडिया पर योगी आदित्यनाथ को आदर्श बताती रही हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की भावना आहत हुई है। अजमेर उत्तर से ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल ने कहा कि साध्वी अनादि सरस्वती को कांग्रेस ज्वाइन करवाई है, लेकिन उन्हें अजमेर उत्तर का टिकट दिया जाता है तो कांग्रेस कार्यकर्त्ता उन्हें सहयोग नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अजमेर उत्तर क्षेत्र में कांग्रेस के बड़े चेहरे भी हैं जो जीत सकते हैं। कांग्रेस के बड़े नेताओं को गुमराह किया गया है। अग्रवाल ने कहा कि साध्वी अनादि सरस्वती को कांग्रेस ज्वाइन करवाने से नाराज कांग्रेस के पदाधिकारी अपना इस्तीफा नहीं देंगे बल्कि साध्वी अनादि का इस्तीफा लेकर रहेंगे।

अजमेर में दरगाह क्षेत्र देहली गेट के बाहर कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। अजमेर उत्तर से टिकट के दावेदार महेंद्र सिंह रलावता ने विरोध प्रदर्शन कर साध्वी अनादि के कांग्रेस में आने पर आपत्ति जताई है। प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस कार्यकर्ता पप्पू कुरेशी ने बताया कि साध्वी अनादि को टिकट मिलता है तो इससे अल्पसंख्यकों में नाराजगी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि शहर कांग्रेस कमेटी ने मीटिंग करके यह निर्णय ले लिया है कि साध्वी अनादि सरस्वती को टिकट दिया जाता है तो कांग्रेस के कार्यकर्ता उसे सहयोग नहीं करेंगे।

विरोध प्रकट करने वाले कांग्रेस जनों में अजमेर उत्तर ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल, वाहिद खान, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष प्रताप यादव, गुलाम मुस्तफा, प्रमिला कौशिक, बलराम शर्मा, अंकुर त्यागी, महेश चौहान, रागिनी चतुर्वेदी, हितेश्वरी टॉक, देशराज मेहरा, विजय नागोरा, नरेश सत्यवाना, मुजफ्फर भारती, श्याम प्रजापति, कैलाश कोमल, पार्षद गजेंद्र सिंह रलावता, विपिन बेसिल, शिव बंसल, चंद्र प्रकाश काकू, आरिफ खान, कुशाल कोमल, रश्मि हिंगोरानी, मनीष सेठी, लोकेश चरण, सोनल मोर्य, दयानंद चतुर्वेदी, वैभव जैन, भागचंद गुर्जर, श्रवण टोनी, अरुणा कच्छावा, शिवराज भड़ाना, नीरज यादव, गीता गुर्जर, मंजू सोनी, अनुराग रायपुरिया, आलोक गुप्ता, बाबर खान, अहमद हुसैन, चंद्र प्रकाश शर्मा, मनीष शर्मा, सुनील केन, मनोज कंजर मुख्तार, अहमद खान, मंसूर अली, अतुल अग्रवाल, महेंद्र कटारिया, दिशांत कनौजिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने से नाराज बृजेश जाटव बसपा में शामिल

पूर्व सभापति भाजपा की गायत्री कोली पहले ही भाजपा से जे.जे.पी. में गई

हिण्डौन सिटी, (निसं)। हिंडौन विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी से टिकट की दावेदारी जाता रहे पांच बार विधायक रह चुके भरोसी लाल जाटव के पुत्र नगर परिषद हिंडौन के सभापति बृजेश जाटव ने कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर नाराजगी जताते हुए बसपा का दामन थाम लिया है। वहीं नगर परिषद की पूर्व सभापति भाजपा की गायत्री कोहली ने पहले ही जे.जे.पी. की सदस्यता ग्रहण कर बगावती तेवर दिखा दिए हैं। इन दोनों की बगावत क्षेत्र की राजनीति में काफी हद तक प्रभावित कर सकती है।

- इन दोनों की बगावत क्षेत्र की राजनीति में काफी हद तक प्रभावित कर सकती है!

जयपुर में बृजेश जाटव ने बसपा कार्यालय पहुंचकर पार्टी की सदस्यता ली।

उल्लेखनीय है कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर हिंडौन विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में टिकट की दावेदारी जाता रहे लोगों की सूची में विधायक भरोसी लाल जाटव और उनके पुत्र नगर परिषद हिंडौन के सभापति बृजेश जाटव भी शामिल थे। इस चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी की ओर से पूर्व में तीन अलग-अलग सूचिया जारी कर दी गई। लेकिन हिण्डौन का नाम शामिल नहीं हुआ। जिससे साफ तौर पर माना जा सकता है कि हिंडौन विधानसभा की सीट से प्रत्याशी घोषित करने के लिए शायद पार्टी आलाकमान और शीर्ष नेतृत्व को काफी मशक्कत भी करनी पड़ी। ऐसा माना जा रहा है कि राजस्थान के शीर्ष नेतृत्व का एक धड़ा विधायक भरोसी लाल जाटव को टिकट देने के पक्ष में था तो दूसरे धड़े ने अनीता जाटव को टिकट देने की सिफारिश पार्टी आलाकमान से की। कई दौर की बैठक और लंबी मशक्कत के बाद आखिरकार मंगलवार देर शाम कांग्रेस ने चौथी सूची जारी कर दी। जिसमें हिंडौन विधानसभा क्षेत्र से अनीता जाटव को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया।

इस तरह कांग्रेस पार्टी से टिकट नहीं मिलने से नाराज पांच बार विधायक रह चुके भरोसी लाल जाटव के पुत्र बृजेश जाटव ने बगावती तेवर दिखाना शुरू कर दिया। यह भी सामने आया है कि जब टिकट मिलने के बाद जयपुर से हिंडौन लौटी अनीता जाटव ने शहर में प्रवेश करते ही सबसे पहले विधायक भरोसी लाल जाटव के निवास पर पहुंचकर उनसे आशीर्वाद लेना चाहा। इस दौरान कई मिनट की मिन्नत के बाद भी भरोसी लाल जाटव ने उन्हें आशीर्वाद नहीं दिया। ऐसे वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए। इसके बाद बुधवार सुबह से ही यह बात चर्चाओं में रही की नगर परिषद सभापति बृजेश जाटव बसपा में शामिल हो सकते हैं। इसके बाद उन्होंने बसपा के कार्यालय पहुंचकर सदस्य ग्रहण कर ली। उन्होंने रिटर्निंग अधिकारी एसडीएम सुरेश कुमार हरसोलिया से विधानसभा से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन फार्म भी ले लिया है। जिससे साफ जहर हो रहा है कि वे बसपा से चुनाव मैदान में उतरेंगे। गौरतलब है कि पूर्व में भारतीय जनता पार्टी की ओर से भी जारी की गई पहली सूची में जब पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव का नाम स्पष्ट कर दिया गया था। उसके बाद से ही नगर परिषद की पूर्व सभापति गायत्री कोहली ने भी अपने बगावती तेवर दिखाना शुरू कर दिया और जेजेपी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय हरियाणा पहुंचकर सदस्य ग्रहण कर ली। उसके बाद ही पार्टी ने गायत्री कोली को अपना प्रत्याशी भी घोषित कर दिया । इस तरह भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों ही प्रमुख राजनीतिक पार्टियों टिकट की दावेदारी जाता रहे संभावित प्रत्याशियों ने अपने भगवती तेवर दिखा दिए और पार्टी बदल ली है । इन दोनों की ओर से भाजपा और कांग्रेस पार्टी को छोड़कर दूसरी पार्टी से टिकट लेकर चुनाव लड़ने से क्षेत्र की राजनीति काफी हद तक प्रभावित होगी।

चोरी मामले का आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। मथुरा गेट थाना पुलिस ने परचून की दुकान से चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। सन्तोष पुत्र उमराव जाति ब्राह्मण निवासी भांग वाली गली थाना मथुरागेट ने अज्ञात चोर के विरूद्ध बिजली घर स्थित प्रार्थी की परचून की दुकान से बीडी-सिगरेट व रूपये को चोरी कर ले जाने का एक मामला थाना मथुरागेट पर दर्ज कराया था। जिस पर दिगम्बरसिंह हैड कानिस्टेबल मय जाप्ता द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये दौराने अनुसंधान इस मामले के आरोपी अवतार सिंह को गिरफ्तार किया।

रिश्वत के मामले में तत्कालीन ए.पी.पी. को चार साल की सजा

- मारपीट के मामले में अच्छी पैरवी करने व केस नहीं बिगाड़ने की एवज में आठ हजार की रिश्वत लेने का 10 साल पुराना मामला

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। भीलवाड़ा एसीबी कोर्ट के विशिष्ट न्यायाधीश राकेश कुमार कटारा ने एडीजे कोर्ट प्रथम, चित्तौड़गढ़ के तत्कालीन अपर लोक अभियोजक (ए.पी.पी.) रामेश्वरलाल झंवर को मारपीट के एक मामले में अच्छी पैरवी करने व केस नहीं बिगाड़ने की एवज में 8 हजार रुपये की रिश्वत लेने के 10 साल पुराने एक मामले में 4 साल की सजा और 20 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया गया।

विशिष्ट लोक अभियोजक कृष्णकांत शर्मा ने बताया कि मूलरूप से चित्तौड़गढ़ जिले के भालोटा की खेड़ी हाल आजाद नगर, भीलवाड़ा निवासी प्रेम बाई पत्नी बालूराम गुर्जर ने अपने पति के साथ 2 सितंबर 2013 को भीलवाड़ा एसीबी के तत्कालीन एएसपी राजेश कुमार गुप्ता को शिकायत दी कि 2 वर्ष पहले वह खेत पर फसल की रखवाली करने गई थी। जहां काकी सास, उनके लड़के व बहुओं ने उस पर कुल्हाड़ी, दरांती से हमला कर दिया, जिससे वह बेहौश हो गई। परिवादिया प्रेम बाई को राशमी हॉस्पीटल में भर्ती करवाया गया। जहां राशमी पुलिस आई। आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया। मारपीट के इस मामले में चालान चित्तौड़गढ़ कोर्ट में पेश किया गया। प्रेम बाई ने एसीबी को दी शिकायत में बताया कि उनके इस केस की पैरवी सरकार की ओर से सरकारी वकील झंवर कर रहे हैं। वे, बिना पेशी के ही बुलाते हैं। पेशी करने की एवज में रुपये मांगते हैं। अलग-अलग कर अब तक 15 हजार रुपये झंवर को दे दिये। लेकिन वे आठ हजार रुपये की ओर मांग कर रहे हैं। प्रेम बाई ने शिकायत में कहा कि वह झंवर को रुपये नहीं देकर पकड़वाना चाहती है।

इस शिकायत पर एएसपी गुप्ता ने सत्यापन करवाया। इसके बाद 13 सितंबर 2013 को को ट्रैप की योजना तैयार कर परिवादिया व उसके पति को भीलवाड़ा कलेक्ट्री के सामने मुखर्जी उद्यान भेजा गया। जहां परिवादिया से आठ हजार रुपये रिश्वत झंवर ने प्राप्त की। परिवादिया का संकेत पाकर एसीबी टीम मौके पर पहुंची, जहां पार्क में बैंच पर परिवादिया के पास झंवर बैठे मिले। प्रेम बाई ने एसीबी को बताया कि यह झंवर साहब है, जिन्होंने उससे आठ हजार रुपये प्राप्त किये हैं। इस पर झंवर ने कहा कि यह राशि उन्होंने पत्रावली की नकल प्राप्त करने के लिए ली। एसीबी ने परिवादिया से पूछा तो उसने कहा कि झंवर ने मारपीट के मामले में सरकार की ओर से अच्छी पैरवी करने और केस नहीं बिगाडने की एवज में यह रुपये उससे लिये। बाद में झंवर ने एसीबी के समक्ष कहा कि गलती हो गई। एसीबी ने झंवर के बांये हाथ में दबाई आठ हजार रुपये की राशि जब्त कर उसे गिरफ्तार किया था। एसीबी ने मामले में तफ्तीश के बाद चार्जशीट न्यायालय में पेश की। सुनवाई पूरी होने पर एसीबी कोर्ट ने गुरुवार को एडीजे कोर्ट प्रथम, चित्तौड़गढ़ के तत्कालीन अपर लोक अभियोजक व कपासन निवासी रामेश्वर लाल पुत्र भंवर लाल झंवर को 4 साल की सजा और जुर्माने से दंडित किया।

जालोर विधानसभा क्षेत्र से रमीला मेघवाल को कांग्रेस प्रत्याशी बनाने के बाद विरोध शुरू

जालोर/सायला, (कासं)। कांग्रेस की तीसरी सूची में जालोर विधानसभा क्षेत्र से रमीला मेघवाल को प्रत्याशी बनाने के बाद विरोध शुरू हो गया है। टिकट की मांग कर रहे स्थानीय दावेदारों ने सायला के सिणधरी रोड पर आयोजित महापंचायत में गुरूवार को रमीला मेघवाल को बाहरी प्रत्याशी बताते हुए पार्टी हाईकमान को 5 नवम्बर तक का अल्टीमेटम देते हुए टिकट पर पुनर्विचार करने एवं किसी भी स्थानीय दावेदार को टिकट देने की मांग की है। अन्यथा बगावत की चेतावनी देते हुए पांच दावेदारों की सहमति से 6 नवंबर को पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल का निर्दलीय नामांकन दाखिल करने की घोषणा की है।

- स्थानीय दावेदारों की कांग्रेस प्रत्याशी के विरोध में हुई महापंचायत, हाईकमान को पांच नवंबर तक दिया अल्टीमेटम
- 'स्थानीय दावेदार को मिले टिकट, नहीं तो छह नवंबर को रामलाल मेघवाल निर्दलीय भरेंगे नामांकन'

सायला में टिकट पर पुनर्विचार करने एवं किसी भी स्थानीय दावेदार को टिकट देने की मांग को लेकर महापंचायत हुई।

इससे पूर्व महापंचायत को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल ने कहा कि कांग्रेस से कई स्थानीय दावेदारों ने टिकट की मांग की थी। लेकिन पार्टी ने बाहरी प्रत्याशी को टिकट दिया। जबकि सभी की मांग है कि पार्टी स्थानीय और जिताऊ दावेदार को टिकट दें। लेकिन कुछ लोगों ने हाईकमान को गुमराह किया और मीडिया में भी कहा कि रामलाल मेघवाल की धर्मपत्नी को टिकट दे रहे हैं। लेकिन मीडिया ने पूछा कि रामलाल मेघवाल की धर्मपत्नी अब संसार में नहीं है, तब उन लोगों ने बताया कि उनकी पुत्रवधु को टिकट दे रहे हैं। जबकि जिसको टिकट दिया वह मेरी पौत्री के बराबर है।

पूर्व विधायक मेघवाल ने सभी से एकमत होकर स्थानीय प्रत्याशी का समर्थन करने की बात कही। 2018 की कांग्रेस विधायक प्रत्याशी और पूर्व जिला प्रमुख मंजू मेघवाल ने कहा कि यहां के स्थानीय उम्मीदवार में से किसी को टिकट देते तो साथ खडे रहते। यह पैराशूट उम्मीदवार सांचौर जिले से भेजा है। हमने हारने के बाद भी फील्ड नहीं छोडा और जो भी छोटे-मोटे काम करवाए। काम नहीं हुए तो कार्यकर्ताओं की नाराजगी झेली। हम इतने बैठे थे इनमें से कोई लायक नहीं था क्या। अगर हम सब से दिक्कत थी तो हमें बुलाकर वहां पर एक नाम बता देते। हम मिलकर एक नाम दे देते। जो नाम जालोर में आया है उसका कोई सर्वे में नाम नहीं था। पर्यवेक्षक व प्रभारी के सामने राय रखी और किसी एक व्यक्ति के कहने पर प्रत्याशी बदलना और पैराशूट हमारे बीच लाना यह स्वीकार्य नहीं है।

ओटवाला सरपंच दीपाराम मेघवाल ने सुखराम बिश्नोई पर खुद की सीट बचाने के लिए बाहरी प्रत्याशी को टिकट दिलाने का आरोप लगाया तथा पार्टी को टिकट पर पुनर्विचार करने की बात कही। मेसाराम तिलोडा ने कहा कि स्थानीय दावेदार का टिकट कटवाने के लिए पुखराज पाराशर जिम्मेदार है। मनोहरसिंह खारी ने कहा कि जिस व्यक्ति का पैनल में नाम ही नही है ऐसे बाहरी प्रत्याशी को टिकट देकर जालोरवासियों के साथ धोखा किया है।

पिलानी से राजेश दहिया भाजपा उम्मीदवार होंगे

चिड़ावा, (निसं)। भाजपा ने पिलानी की एससी वर्ग के लिए आरक्षित सीट पर प्रत्याशी घोषित कर दिया है। भाजपा के द्वारा जारी की गई तीसरी सूची में भाजपा ने यहां पर नए चर्चित चेहरे भाजपा के जिला महामंत्री राजेश दहिया को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

पिलानी और पहले सूरजगढ़ सीट से विधायक रहे भाजपा के वरिष्ठ नेता सुंदरलाल काका के पुत्र कैलाश मेघवाल भी यहां मजबूती से अपनी दावेदारी जता रहे थे लेकिन पिछली बार 13 हजार से ज्यादा अंतर की बड़ी हार और फिर पंचायत समिति सदस्य के चुनाव में भी मिली हार ने उनका दावा कमजोर कर दिया। समर्थकों ने टिकट का ऐलान होते ही पार्टी के स्टेशन रोड कार्यालय पहुंचकर दहिया को मालाओं से लाद दिया और मिठाई खिलाई और बधाई देने वालों का तांता लग गया। टिकट मिलने के बाद अपने संबोधन में दहिया भी एक बार भावुक हो गए और कहा पार्टी ने एक साधारण कार्यकर्ता पर विश्वास जताया है और वे उनके भरोसे पर खरा उतरेंगे।

सुंदरलाल काका को वसुंधरा और राजेंद्र राठौड़ का खास माना जाता है। ऐसे में इन दोनों बड़े नेताओं ने कैलाश को टिकट देने को लेकर खूब जोर लगाया। लेकिन सूत्रों के अनुसार संघ के स्पष्ट संदेश के कारण कैलाश के नाम पर विचार नहीं किया गया। पिलानी सीट पर पूरी तरह संघ की चली है। राम मंदिर निर्माण के लिए धन संग्रह के दौरान कैलाश मेघवाल का विवाद सामने आया था। बताया जा रहा है कि उसे लेकर संघ कैलाश से खासा नाराज था और संघ की ओर से किसी भी सूरत में कैलाश को टिकट ना देने का संदेश भाजपा आलाकमान के पास पहुंचा दिया था।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. खण्ड बाडी

क्रमांक-1101 दिनांक-27.10.2023

नीलामी विज्ञप्ति

NIB NO 2324A3830 & UBIN NO. PWD2324GSOB16701

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि महाराज बाग से एनएच-11 बी तक सीसी सडक निर्माण कार्य में आने वाले पेडों की सार्वजनिक नीलामी निर्धारित कमेटी के द्वारा की जायेगी। इच्छुक खरीददार/बोलीदार निर्धारित दिनांक व समय पर उपस्थित होकर बोली लगा सकते है। नीलामी की शर्ते किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय में देखी जा सकती है। धरोहर राशि डी.डी. द्वारा अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड बाडी के नाम देय होगी।

क्र.सं.	नाम वस्तु	धरोहर राशि	अनुमानित राशि	बोली लगाने की दिनांक व स्थान
1	6 शीशम के पेड	1200/-	60000/-	दिनांक 03.11.2023 को दोपहर 12.00 बजे एवं सानिवि उपखण्ड बाडी

नीलामी की शर्ते-

1 बोली लगाने वाले प्रत्येक को धरोहर राशि की डी.डी. जमा कराकर रसीद प्राप्त करनी होगी बोली समाप्त होने पर असफल बोलीदाताओं की डी.डी. वापिस कर दी जावेगी।
2 नीलामी कमेटी को बिना बताये बोली निरस्त करने एवं तिथि बढ़ाने का पूर्ण अधिकार होगा।
3 बोली छुटने के 2 घण्टे के अन्दर सफल बोलीदार को पूरी राशि की 25 प्रतिशत नकद राशि जमा करानी होगी। तथा शेष राशि अगले कार्य दिवस में जमा करानी होगी उसके बाद 15 दिवस में पेडो को काट कर हटाना होगा। यदि समय सीमा में पेड नहीं हटाये गये एवं राज्य सरकार को किसी प्रकार की हानि हुई तो उसे सफल बोलीदाता से वसूल किया जावेगा।
4 सफल बोलीदाता को नियमानुसार प्रथक से जी.एस.टी. चुकाना होगा।
5 नीलामी होने वाले पेडो का अवलोकन महाराज बाग से एनएच-11 बी तक साइट पर किसी भी समय में किया जा सकेगा।
6 किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र बाडी होगा।
7 जी.एस.टी. धारक ही बोली लगाने के लिए अधिकृत होगा।
8 उक्त नीलामी सूचना www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
9 आवेदक के साथ स्वप्रमाणित आधार कार्ड एवं जी.एस.टी. नम्बर का प्रमाण पत्र लगाना आवश्यक होगा।
10 बोली दाता के साथ एक व्यक्ति ही कैम्पस में प्रवेश कर सकेगा।

(जी.आर. सैनी)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड बाडी

DIPR/C/15574/2023